HIN1A05a - Séance N° 21
Le permissif, le passé composé

Séquence 1 :

- कहो, देव से मुलाक़ात हुई ?

- पार्वती, कौन आया है तुमसे मिलने ?

- जी यह ... यह चंद्रमुखी है। हमारी सहेली। कलकत्ते से आई है।

- जीती रहो। इस हवेली को अपना घर ही समझना बेटी। और पार्वती, इसे जल्दी जाने नहीं देना।

- हाँ माँ। अब तो उसी दुर्गा पूजा के बाद ही जाने दूँगी।

- नहीं पारो। मैं ... मैं यहाँ नहीं रह सकती।

- क्यों नहीं रह सकती। …

Séquence 2 :

- I'm not listening to you because you are talking rubbish.

- मेरी तो समझ में नहीं आता। तुमने नैना को इतनी आसानी से जाने कैसे दिया, I mean look at you.

- हा हा हा, ladies and gentlemen, welcome to Lalaland. रोहित नैना से प्यार करता है, नैना रोहित से प्यार नहीं करती है, नैना अमन से प्यार करती है लेकिन अमन रोहित से कहता है कि तुमने नैना को क्यों छोड़ दिया। तो basically अमन का दिमाग़ ख़राब हो गया है।

- किस से बातें कर रहे हो ?

Séquence 3 :

- एक हफ़्ते के अंदर ये बीस हज़ार तक हो सकते हैं। और उस वक़्त ये हमारा घेरा तोड़कर आ जाएँगे। मगर हम ऐसा होने नहीं देंगे किसी हाल में।

Séquence 4 :

- तुम भी पता नहीं कैसे हो गए हो मन्नू।

- मैं ?

- हाँ, देखो तो। कितने दुबले हो गए हो, काले हो गए हो, गाल अंदर गए हैं, बाल भी ... शर्ट उतार दो।

- नहीं, रहने दो।

- भीग ... भीज हो गए हो, ठंड लग जाएगी।

- ठीक है नीरू।

- अरे उतार दो न, उस कमरे टाँग देती हूँ, सुख जाएगी